RAJYA SABHA

Wednesday, the 30th July, 2003/8 Sravana, 1925 (Saka)

The House met at eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Operation to flush out ultras in J&K

*141. SHRI KALRAJ MISHRA: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether security forces in Jammu and Kashmir have launched a drive to flush out ultras from mountain hide-outs in J&K; and

(b) if so, the number of ultras captured or killed in the operation and the arms and ammunition seized from their hide-outs, and the number of Indian security personnel who laid down their lives during the operation?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) Counter terrorist operations are carried out regularly in the State of Jammu & Kashmir, including remote hilly areas for flushing out terrorists.

One of such operations named 'Operation Sarp Vinash' carried out recently, has resulted in the killing of 65 terrorists, arrest of 3 terrorists, capture of 79 pieces of major weapons and large quantities of war like stores. During this Operation, 5 Army personnel laid down their lives.

श्री कलराज मिश्र: सभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि हिलकाका क्षेत्र में आतंकवादियों ने बंकर्स और अनेक प्रकार की शरण स्थली बना रखी थी और साथ ही साथ उन्होंने काफी हथियार वहां इकट्ठा कर रखे थे। इस संबंध में सेंट्रल

इंटेलिजेंस एजेंसो ने एक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की थी और इसकी जानकारी दी थी लेकिन इस जानकारी के आधार पर ऑपरेशन सर्प विनाश विलंब से प्रारंभ हुआ जिसमें हमारे सैनिकों के द्वारा उन बंकर्स को समाप्त करने की दृष्टि से यत्न किए गए। इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। लेकिन ऑपरेशन सर्प विनाश विलंब से प्रारंभ करने के कारण, ये आतंकवादी बाकी क्षेत्रों में भी बिखर गए जैसे किश्तवार, डोडा, ऊधमपुर आदि और वहां ये आतंकवादी गतिविधियां करते रहे। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि यह रिपोर्ट कब प्रकाशित की गई और ऑपरेशन सर्प विनाश कब से प्रारंभ हुआ?

श्री जार्ज फर्नान्डीज: सभापति महोदय, यह बात सही है कि हिलकाका क्षेत्र में आतंकवादी जमे हुए थे लेकिन यह बात सही नहीं है कि उन पर हमला करने में कोई देरी हो गई। इस इलाके में एक अरसे से यह सिलसिला बना रहा है क्योंकि यह इलाका जंगल और पहाड़ का इलाका है। वहां ऐसी जगहें हैं जहां सर्दी के मौसम में लोग आकर अपने अड्डे बना लेते हैं। जब भी मौका आता है, सेना उन पर वार करती है। जहां तक ऑपरेशन सर्प विनाश का प्रश्न है, इसकी शुरुआत 17 अप्रैल, 2003 को हुई और इसकी समाप्ति 5 मई, 2003 को हुई। इस ऑपरेशन में 65 आतंकवादी मारे गए, 3 आतंकवादी गिरफ्तार किए गए और कुल मिलाकर 79 बड़े हथियार पकड़े गए और हमारे 5 जवान वहां पर शहीद हुए। इसलिए यह कहना कि वहां इस ऑपेरशन में किसी प्रकार की देरी हुई है, इसमें कोई तथ्य नहीं है।

श्री कलराज मिश्र: सभापति महोदय, 1999 में यह अनुभव किया गया कि हमारी सेना के पास जो हथियार हैं, वे आतंकवादियों के हथियारों की तुलना में उतनी आधुनिक तकनीकों से युक्त नहीं हैं और सर्विलेंस सिस्टम है वह भी उतना पर्याप्त नहीं है। इसलिए यह तय किया गया कि आधुनिकतम तकनीकी से युक्त हथियार और साथ ही साथ इलेक्ट्रोनिक सर्विलेंस सिस्टम डवलप किया जाएगा। लेकिन कोई गत महीने में माननीय रक्षा मंत्री के द्वारा एक बयान भी आया कि इलेक्ट्रोनिक सर्विलेंस सिस्टम डवलप किया जाएगा। अभी तक वह डवलप नहीं किया गया है, ये हथियार भी दिए नहीं गए हैं। तो इसके क्या कारण हैं और अगर दे दिए गए हैं तो उसके संबंध में सूचना प्राप्त हो जाए तो ठीक रहेगा?

श्री जार्ज फर्नान्डीज: सर, सेना के हथियारों में जो भी आधुनिकता लानी है वह लगातार चलने वाला एक काम है। जिन-जिन क्षेत्रों में आधुनिक शस्त्र लाने की आवश्यकता महसूस होती है और वह अक्सर महसूस होनी चाहिए क्योंकि शस्त्र हर स्तर पर बदलते जाते हैं, आधुनिकतम आते रहते हैं। तो उनको हासिल करने में किसी भी प्रकार की देरी सरकार की तरफ से नहीं होती है। जहां जो चीज चाहिए उसको एक बार हम लोग खरीदने के संकल्प पर आ जाते हैं तो फिर उसकी जांच करना, उसका ट्रायल करना तथा अन्य जो उसमें अनेक कार्य करने आवश्यक होते हैं और अंत में उसके दाम को लेकर बहुत लम्बे समय तक उलझन भी हो जाती

है, तो यह सारी प्रक्रिया पूरी होने में कुछ देरी तो अवश्य होती है। लेकिन उससे जहां तक सरकार का निर्णय और इसमें सेना की आवश्यकताओं की मांग है वहां किसी भी प्रकार का विलम्ब होने के लिए हम नहीं देखते हैं।

SHRI N. JOTHI: Hon. Chairman, Sir, we have been facing this problem of cross-border terrorism for the last ten years, by whatever name one may call it, whether it is 'proxy war' — the phrase used quite often by hon. Deputy Prime Minister — or the problem of 'ultras' or 'insurgents' or whatever. You need not tell me about your blueprint. Let it be an Army secret. But does this Government have any idea of how to put an end to the entire issue of cross-border terrorism in Kashmir so that our *yatris* do not get killed, or our jawans do not get ambushed, and the people of that State can also live as peacefully as the people of any other State? Has the Government got any programme in this regard? If it is an Army secret, you need not tell us about it. However, I would like to know whether there was any time-bound programme on this. What is the point in keeping the barracks full of Army there not doing anything to tackle the situation, and letting our innocent citizens be killed? We keep getting anguished over this matter every moment we read about this. What is the programme of the Government in this regard?

SHRI GEORGE FERNANDES: Sir, I think the anguish in a situation of any attack on innocent citizens or on the troops is something, which is common to all of us. In so far as the hon. Member's question as to what exactly is being done in Kashmir, well, there is nothing secret about the operations that are going on and these operations are taking care of the enemy attacks. But there are situations where the *fidayeen* move in, and there is no way that anyone can identify a *fidayeen* team or an individual as and when he approaches. And many of the killings that take place in Jammu & Kashmir are essentially *fidayeen* attacks and one has to face them; and the army is well-equipped to face them.

*142. *[The questioner (Shri Satish Pradhan) was absent for answer vide page 30.]*